आर्य समाज के स्थापना दिवस गुरुकुल विवि आने का सीएम योगी को दिया निमंत्रण

निमंत्रण

हरिद्वार। **संवाददाता**

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रूपकिशोर शास्त्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आगामी 4 मार्च को आर्य समाज के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में पधारने का निमंत्रण दिया।

इस अवसर पर प्रो0 रूपकिशोर शास्त्री द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्य आदित्यनाथ योगी से विश्वविद्यालय के वार्षिक कलैण्डर व पुस्तक का लोकार्पण कराया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द महाराज जैसा दूसरा सन्त नहीं हो सकता। स्वामी श्रद्धानन्द एक निर्भिक, साहसी और तेजस्वी सन्त थे। स्वामी श्रद्धानन्द जी के जीवन दर्शन को घर–घर तक पहुंचाना अत्यन्त आवश्यक है। एक औपचारिक मुलाकात में प्रो. रूपकिशोर शास्त्री ने स्वामी श्रद्धानन्द महाराज जी के जीवन दर्शन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द महाराज जी ने देश की आजादी की अलख जगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

योगी आदित्यनाथ को गुरुकुल आने का निमंत्रण देते हुए गुरुकुल के कुलपति।

मकर सक्रांति पर समरसता पर्व पर भाग ले राज्यपाल ने की संतो से भेंट

सेवा भारती के राज्यपाल को सम्मानित करते हुए आयोजक।

संवाददाता हरिद्वार। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य सेवा भारती की ओर से समरसता पर्व मकर सक्रांति के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर भेल सेक्टर दो में आयोजित यज्ञ और खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में शामिल हुईं। उनके साथ ज्वालापुर विधायक सुरेश राठौर, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, शंकराचार्य आचार्य राजराजेश्वराश्रम, प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम के महंत रूपेंद्र प्रकाश, राष्ट्रीय स्वंय संघ के प्रांत प्रचारक युद्धवीर, सह प्रांत प्रचारक देवेंद्र उपस्थित रहे।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

परिसीमन जनसंख्या नहीं भौगोलिक आधार पर हो

70 प्रतिशत रोजगार की बाध्यता आज तक लागू नहीं हुई

मांग

संवाददाता

देहरादून। राज्य के 2026 में होने वाला परिसीमन को अगर जनसंख्या के आधार पर किया गया तो पहाड़ी राज्य का अस्तित्व खत्म हो जायेगा और फिर उत्तराखंड राज्य का क्या औचित्य रह जायेगा। पहाड़ के लिए हमने उत्तराखंड राज्य की मांग की थी इसलिए उत्तराखंड क्रान्ति दल आगामी विधानसभा का परिसीमन भौगोलिक आधार चाहता है।

यह बात आज प्रेसवार्ता के दौरान उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय अध्यक्ष दिवाकर भट्ट द्वारा कही गयी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों और हिमाचल के परिसीमन का आधार भौगोलिक रहा है। पंडित नारायण दत्त तिवारी की सरकार के दौरान उत्तराखंड के उघोगों में स्थानीय लोगों को 70 प्रतिशत रोजगार की बाध्यता आज तक लागू नहीं हुई। जबकि उघोगों में ठेकेदारी प्रथा चले आ रही है। उन्होंने कहा कि उपनल के अंतर्गत सरकारी विभागों में संविदा कर्मचारियों को सरकार नियमित करे।

समूह ग के अंतर्गत स्थानीय लोगो की वरीयता को भाजपा सरकार ने खत्म कर राज्य के बेरोजगारों के साथ धोखा किया है। जिसका उनका दल घोर विरोध करता है। पहाड़ में गाँव के गाँव मानवविहीन होते जा रहे है। पलायन को रोकने के लिए ठोस हल अभी तक कोई भी सरकार नहीं निकाल पायी। वर्तमान सरकार ने पलायन आयोग एक सफेद हाथी बनाकर एक नया ढोंग खड़ा कर दिया।

दिवाकर भट्ट ने कहा कि आगनबाड़ी कार्यकत्री जो आज 40 दिन से जायज मांगो को लेकर आंदोलन व अनशन में है सरकार उनकी मांगों का सकारात्मक हल निकाले अन्यथा दल आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

प्रेस वार्ता में त्रिवेंद्र पंवार, एपी जुयाल, लताफत हुसैन, सुनील ध्यानी, प्रहलाद रावत, आशीष नौटियाल, किशन रावत, शांति भट्ट, राजेन्द्र बिष्ट, धर्मेंद्र कठैत सहित कई लोग मौजूद रहे।

पत्रकार वार्ता में दिवाकर भट्ट व अन्य।

परमार्थ निकेतन में धूमधाम से मना मकर संक्रान्ति

संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में ऋषिकुमारों, विदेशी सैलानियों और परमार्थ निकेतन के सेवकों ने धूमधाम से मकर संक्रान्ति का पर्व मनाया। स्नान, दान, ध्यान, यज्ञ एवं माँ गंगा के तटों की स्वच्छता के साथ आज के पावन पर्व की शुरूआत हुई।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज की प्रेरणा से परमार्थ गुरूकुल के ने पौधा रोपण कर पर्यावरण को समर्पित हरित मकर संक्रान्ति मनायी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने पश्चिम की धरती से पूर्व की संस्कृति का परचम लहराते हुये कहा कि 'सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना संक्रान्ति काल होता है और वर्ष में 12 संक्रान्तियां होती है परन्तु पौष

तटों की स्वच्छता के साथ पावन पर्व की शुरूआत

माह की संक्रान्ति विशेष होती है। इस दिन सूर्य, पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध की ओर मुड़ जाता है।

परम्परा के अनुसार पौष माह में सूर्य मकर राशी में प्रवेश करता है उस दिन मकर संक्रान्ति का पर्व मनाया जाता है। यह अनेक बदलावों और संकेतों को जन्म देता है। मकर संक्रान्ति अर्थात अन्धकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना।

हमारे जीवन में भी जो अज्ञान रूपी अन्धकार है उसे समाप्त कर प्रकाश की ओर, सकारात्मकता की ओर, स्वच्छता की ओर अग्रसर होना ही संक्रान्ति है। शास्त्रों के अनुसार दक्षिणायण को नकारात्मकता का प्रतीक माना गया है और उत्तरायण को सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है।

इस दिन प्रकृति में विद्यमान हर कलियां और फूल खिलने लगते हैं। प्रकृति में बहार आने लगती है। उसी तरह प्रत्येक मनुष्य का जीवन भी खिल उठे, जीवन में भी बहार आये, प्रसन्नता आये। यह तभी सम्भव है जब हम अपनी संस्कृति और संस्कारों को सम्भाल कर रखें।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज ने कहा 'मकर संक्रान्ति के दिन स्वयं के स्नान से पूर्व नदियों को भी महास्नान कराना चाहिये, जब नदियां स्वच्छ रहेगी तभी हमारा स्नान भी सार्थक होगा।

ग्रामीणों को दिया जाएगा बर्ड वाचिंग का प्रशिक्षण

संवाददाता पौड़ी। डीएम पौड़ी धीराज सिंह गर्ब्याल ने जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए नई पहल अपनाई है। डीएम ने पर्यटक स्थल खिर्सू में ग्रामीण लोगों को बर्ड वाचिंग का प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है। बुधवार से प्रशिक्षण की शुरूआत की जाएगी। जिला साहसिक खेल अधिकारी केएस नेगी ने बताया कि डीएम पौड़ी ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए बर्ड वाचिंग का प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है। जिसके तहत पर्यटन स्थल खिर्सू में ग्रामीणों को बर्ड वाचिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे ग्रामीणों की आर्थिकी मजबूत होगी।

बताया कि बड़ी संख्या में पर्यटक खिर्सू पहुंचते है। यहां पर बर्ड वाचिंग को लेकर कई स्थल भी है। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी बर्ड वाचिंग को लेकर कई स्थल है। बर्ड वाचिंग के जरिए ग्रामीण अपनी आजीविका को मजबूत कर सके इसके लिए डीएम ने ग्रामीणों को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है। बताया कि प्रशिक्षण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

न्यूज डायरी

रघुनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर महापूजा संपन्न

संवाददाता टिहरी। श्री रघुनाथ मंदिर में पौष माह में चलने वाली महापूजा का मकर संक्रांति से पूर्व भगवान रघुनाथ की परम्परागत स्तुतियों के साथ समापन हुआ। महापूजा समापन पर तीर्थपुरोहित समाज सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे। देवप्रयाग के श्री रघुनाथ मंदिर में बीते एक माह से चल रही महापूजा बुधवार को भगवान रघुनाथ के पूजन और स्तुति गायन के साथ संपन्न हो गई। महापूजा में श्रद्धालुओं ने देश प्रदेश और क्षेत्र की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। पुजारी पं. सोमनाथ भट्ट ने भगवान रघुनाथ का विशेष श्रृंगार कर उन्हें खिचड़ी का भोग लगाया। श्रद्धालुओं ने परम्परा अनुसार जय राम जी व जय–जय राम मंगल आरती और भजनों का गायन कर महापूजा का समापन किया। पूजा समापन के बाद खिचड़ी का प्रसाद श्रद्धालुओं में बांटा गया। पुजारी ने बताया कि मकर संक्रांति से श्री रघुनाथ मंदिर पूर्व की भांति पूरे दिन श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन के लिए खुल गया है।

रंगीलो कौथिग पंचाली मांगल गीतों से आरंभ

संवाददाता चमोली। राइंका पंचाली के मैदान में चार दिवसीय रंगीलो कौथिग पंचाली बुधवार से पारंपरिक मांगलगीतों के साथ प्रारंभ हो गया। मेले का उद्घाटन करते हुये क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र सिंह नेगी ने मेलों को आपसी मेल जोल एवं पौराणिक संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ले जाने का द्योतक बताते हुये कहा की उनकी सरकार क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है, पहली बार ग्रामीणों के सहयोग से हो रहे मेले को विधायक ने मेले के संचालन के लिए एक लाख, खेल मैदान निर्माण के लिए 10 लाख व बौखनारा से बडियारी तक एक किमी सड़क निर्माण विधायक विकास निधि से करने की घोषणा भी की। मेले के प्रथम दिवस विभिन्न ममंदलों द्वारा चौफुला, चांचड़ी, गांव की पौराणिक धरोहर की प्रतियोगात्मक झांकियों से मेलार्थियों का मन मोह लिया।

मौसम की चेतावनी के मद्देनजर अलर्ट रहे अधिकारी

संवाददाता पौड़ी। मौसम केंद्र ने जिले में गुरुवार को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए प्रभारी डीएम ने जिले के सभी एसडीएम के साथ ही संबंधित आईएस सिस्टम से जुड़े अधिकारियों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी डीएम हिमांशु खुराना ने मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए सभी राजस्व उप निरीक्षक, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारियों को जिले में जनजीवन को सामान्य रखने तत्परता बनाए रखने को कहा है।